ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम भर्गो देवस्य धीमहि धियो योनः प्रचोदयात

II Om bhurbhuvah svah tatsaviturvarenyam bhargo devasya dhimahi dhiyo yo nah prachodayat II

उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अपनी अंतरात्मा में धारण करें. वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे.

(May Almighty illuminate our intellect and inspire us towards the righteous path) -Rigveda 3/62/10;Samveda1462, Yajurveda 3/35, 22/9, 30/2, 36/3.

ॐ वन्दे भगवतीं देवीं श्रीरामंच जगदगुरुम

पादपद्मे तयोः श्रित्वा प्रणमामि मुहुर्मुहुः

आत्मीय भाईसाहब/बहनजी,

जय युग ऋषि जय गुरुदेव-वंदनीया माताजी!

आप सभी प्रसन्न और स्वस्थ होंगे तथा अपने क्षेत्रों में मिशन की सक्रिय गतिविधियों में संलग्न होंगे. राजस्थान प्रान्त का अगला युवा चेतना शिविर अलवर

के पश्चात जयपुर में संपन्न होगा तथा यह शिविर भोपाल की तरह राष्ट्रीय स्तर का होगा. जयपुर में होने वाले युवा चेतना शिविर से पूर्व आप सभी की उपस्थिति अलवर में संपन्न होनेवाले प्रांतीय युवा चेतना शिविर में सादर प्रार्थनीय है. लाल मशाल का हस्तांतरण भरतपुर उप ज़ोन से जयपुर ज़ोन को होगा

अतः अलवर में दिनांक २५ एवं २६ दिसंबर, २०१२ को होनेवाले प्रांतीय युवा चेतना शिविर में भाग लेने हेतु दिनांक २४ दिसंबर, २०१० को पहुँचने का कष्ट करें. ऋतु अनुसार अपने साथ कपडे, शाल, कम्बल आदि जरुर लेकर जाएँ. बिस्तर आदि अमानत राशि जमाकर वहां से प्राप्त कर सकते हैं. अपने कन्धों पर दुपट्टा लगाकर आवें अन्यथा वहां स्टाल से क्रय कर लें. शिविर के लिए किट, डायरी, पैन, पुस्तक, समय सारिणी आदि वहां पंजीयन के समय टोकन मूल्य पर दी जायेगी. अपनी फोटो भी साथ लेकर जाएँ ताकि परिचय पत्र बनाये जा सकें. आयु निर्धारित : १८ से ४५ वर्ष

राजस्थान प्रान्त का प्रांतीय युवा चेतना शिविर शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में दिनांक २५ और २६ दिसंबर. २०१२ को जैन नसियां जी, गायत्री मंदिर रोड, गायत्री शक्तिपीठ के पास अलवर में संपन्न होने जा रहा है. कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संपर्क सूत्र निम्नलिखित हैं:-

स्थान : जैन नसियांजी, गायत्री मंदिर रोड, गायत्री शक्तिपीठ के पास, करौली कुंड, अलवर दूरभाष : ०१४४-२७०३१०१ मोबाइल : ९४६१४०८३६०, ९४६०३७४०९९, ९२५१३०८४७८

संपर्क सूत्र : श्री मुकेश गुप्ता, जिला युवा प्रभारी, अलवर (मोबाइल :९२५१३०८४७८)

उप आंचलिक केंद्र, भरतपुर दूरभाष : ०५६४४-२३१५२०

संपर्क सूत्र : श्री ललित कुमार सिंघल ,उप ज़ोन युवा प्रभारी, भरतपुर (मोबाइल ९४१४३४४१८६)

युवा प्रकोष्ठ प्रांतीय कार्यालय, पुष्कर : ०१४५-२७७२०९४

श्री गोपाल स्वामी,
राजस्थान प्रान्त युवा प्रभारी मोबाइल ९४१४६३६७५६

कार्यक्रम

प्रथम दिवस २५ दिसंबर २०१०, शनिवार

:प्रथम सत्र :

उदघाटन मुख्य अतिथि: माननीय श्री सियाराम मीनाजी, शासन सचिव, टी.ए.डी. एवं शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

प्रातः ८-३० बजे से दोपहर १२.०० बजे तक

मंगल ध्वनि -- वंदना गीत -- उदघाटन, दीप प्रज्ज्वलन -- देव आह्वान --स्वागत

प्रतिवेदन प्रस्तुति : १. स्थानीय प्रतिवेदन २- प्रांतीय प्रतिवेदन

विशेष उदबोधन (अ) शांतिकुंज के विशेष प्रतिनिधि (ब) मुख्य अतिथि उदबोधन

भोजन अवकाश

द्वितीय सत्र : १-३० दोपहर से ३-३०

उदघाटन मुख्य अतिथि: माननीय श्री राकेश वर्मा जी, प्रमुख शासन सचिव, विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग, राजस्थान सरकार

दोपहर १-३० से १-४५ : शिविर गीत,

दोपहर १-४५ से २-३० : उदघाटन विषय : करें भागीदारी विचार क्रांति अभियान में,

दोपहर २-३० से ३-१५ : अपने अंग अवयवों से आधारित विषय

दोपहर ३-१५ से ३-३० : प्रज्ञापेय अवकाश

तृतीय सत्र : दोपहर ३:३० से सांय ६:३० बजे तक

दोपहर ३:३० बजे से ४:३० बजे तक : समूह चर्चा

विषय : लक्ष्य निर्धारण - व्यक्तिगत, मंडल, ब्लाक, जिला तथा प्रांतीय स्तर पर

-युग ऋषि को अर्पित करनी है श्रद्धांजलि-प्रचारात्मक, रचनात्मक एवं संघर्षात्मक

संस्कृति पुरोधा - प्रसारक/कन्या भ्रूण हत्या/आदर्श विद्यालय

सांय ४-३० से ६-०० : भाषण प्रतियोगिता : प्रांत स्तर पर

विषय : जल-पर्यावरण संरक्षक - अस्तित्व का रक्षण

सांय ६-०० से ६-१५ : नादयोग साधना

सांय ६:१५ से ६:३० : अवकाश

चतुर्थ सत्र : सांय ६:३० से ८:३० बजे तक

सांय ६:३० बजे से ८:३० बजे - १. (युवा) राष्ट्र जागरण दीप महायज्ञ २. युवाओं के द्वारा जन्म शताब्दी हेतु राष्ट्र जागरण संकल्प

उदबोधन - विषय: युग ऋषि की जन्म शताब्दी एवं हमारे दायित्व
रात्रि ८-३० बजे : भोजन एवं विश्राम

द्वितीय दिवस २६ दिसंबर, २०१०

प्रथम सत्र : प्रातः ६-३० से ९-३० बजे तक

प्रातः ६-३० बजे से ८-३० बजे तक : योग, ध्यान, मंगल प्रवचन, दीक्षा
प्रातः ८-३० बजे से ९-३० बजे तक : जलपान एवं प्रज्ञा पेय

द्वितीय सत्र : प्रातः ९-३० बजे से दोपहर २:०० बजे तक

प्रातः:९:३० से १०:३० बजे तक : शांतिकुंज प्रतिनिधि द्वारा उदबोधन
प्रातः १०:३० से २:३० बजे तक :
मुख्य अतिथि : सम्मानीय गुलाब कोठारी, प्रधान संपादक, राजस्थान पत्रिका
अध्यक्ष : सम्मानीय एस. के श्रीवास्तव, मुख्य वन संरक्षक, जयपुर
आगाज़ : जल एवं पर्यावरण संरक्षण
विदाई उदबोधन के बाद भोजन
नोट: १. दिनांक २४ को स्थान विशेष की सफाई एवं सप्तक्रांति रैली विभिन्न जिलों एवं शाखाओं द्वारा
२. कार्यक्रम में विषय वस्तु तथा समय परिवर्तनीय है.
३. स्वागत पंजीयन दिनांक २४ दिसंबर, २०१० की दोपहर से दिनांक २५ दिसंबर, २०१० की प्रातः तक होगा.

कृपया यह सूचना समस्त भाई-बहनों तक पहूँचाने का कष्ट करें ताकि सभी समय पर पहूँच सके तथा अपनी सूचना मुझे भी उपलब्ध करवाने का कष्ट करें .
आपका भाई
हर्ष कुमार मिश्र
संयोजक, युवा प्रकोष्ठ, जयपुर ज़ोन, मोबाइल : ९४१४८५२७८१

हमारे संपर्क सूत्र :
श्री कमलकान्त मिश्र,
संयोज़क, युवा प्रकोष्ठ, जयपुर जिला, मोबाइल : ९८२९८८५३२१

श्री रणवीर सिंह चौधरी,
जिला समन्वयक, जयपुर मोबाइल : ९८२९८८५२५८
श्रीमती सुरेखा चौहान,
जिला महिला प्रभारी, जयपुर (युवा प्रकोष्ठ) मोबाइल : ९८२९८८५३२१
श्री गोपाल स्वामी,
राजस्थान प्रान्त युवा प्रभारी मोबाइल ९४१४६३६७५६
श्री घनश्याम पालीवाल
शांतिकुंज प्रतिनिधि मोबाइल : ९४१४१७१०४३
श्री अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव
ज़ोन प्रभारी (जयपुर एवं पुष्कर तथा प्रभारी समस्त गायत्री शक्तिपीठ, राजस्थान)
मोबाइल :९४१४००६१९४
गायत्री शक्तिपीठ, जोशी कालोनी, पौंड्रिक उद्यान के पास, ब्रह्मपुरी, जयपुर (गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज, हरिद्वार का ज़ोन कार्यालय)
दूरभाष : ०१४१-२४११०००, २४१०४१७, २४१११५६
गायत्री चेतना केंद्र, जयपुर ए-१०२, जनता कालोनी, जयपुर
दूरभाष: ०१४१-२६१३०००, २६१११६६०

सप्त महाक्रान्ति (साधना, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, पर्यावरण, नारी जागरण, व्यसन मुक्ति एवं कुरूति उन्मूलन) के अंतर्गत आपके क्षेत्रों में चल रही गतिविधियाँ, वृक्षारोपण, दीवार लेखन, पर्यावरण जागरूकता गोष्ठियां, दीपयज्ञ, यज्ञ, प्लास्टिक निवारण, गाज़र घास हटाने, पंडित श्रीराम शर्मा स्मृति वाटिका स्थापना, जल संरक्षण एवं सुधार के स्टीकर, वृक्ष गंगा रैलियाँ, मोटर साइकिल यात्राएं, तुलसी स्थापनाएं सम्बन्धी साहित्य, पम्प्लेट्स वितरण, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, मिशन की पत्रिकाओं के विस्तार, मन्त्र लेखन अभियान, मन्त्र जप अभियान, स्वाध्याय विस्तार , दिया के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम, पर्यावरण सुधार, जल संरक्षण, वातावरण निर्माण आपके क्षेत्रों में चल रही गतिविधियों की रिपोर्ट भी तैयार कर लें . अब तक ५-६ वर्षो में क्या कर चुके हैं और आगामी क्या लक्ष्य और योजनायें हैं की रूपरेखा तैयार कर लें.

Our Motto:
When we transform ourselves, the world will be transformed.

When we reform ourselves, the world will be reformed.
Coming together is beginning, staying together is progress and working together is success with thinking globally & acting locally.

हमारा युग निर्माण सत्संकल्प (Our Manifesto - Solemn Pledge)

१. हम ईश्वर को सर्वव्यापी, न्यायकारी मानकर उसके अनुशासन को अपने जीवन में उतारेंगे |
Firmly believing in the Omnipresence of God and His unfailing justice, we pledge to abide by basic Divine principles (Dharma).

२. शरीर को भगवान का मन्दिर समझकर आत्मसंयम और नियमितता द्वारा आरोग्य की रक्षा करेंगे |
Considering the body as the Temple of God , we will be ever watchful to keep it healthy and full of vitality by adopting the principles of self-control, order and harmony in our lives.

३. मन को कुविचारों और दुर्भावनाओं से बचाये रखने के लिए स्वाध्याय और सत्संग की व्यवस्था रखे रहेंगे |
With a view to keep our minds free from the inrush of negative thoughts and emotions, we will adopt a regular program of study of ennobling and inspiring literature (*Svaadhyaaya*) and up keep the company of Saints (*Satsanga*).

४. इन्द्रिय संयम, अर्थ संयम, समय संयम और विचार संयम का सतत अभ्यास करेंगे |
We will vigilantly exercise strict control over our senses, thoughts, emotions and spending of our time and resources.

५. अपने आपको समाज का एक अभिन्न अंग मानेंगे और सबके हित में अपना हित समझेंगे |
We will consider ourselves inseparable parts of the society and will see our good in the good of all.

६. मर्यादाओं को पालेंगे, वर्जनाओं से बचेंगे, नागरिक कर्तव्यों का पालन करेंगे और समाजनिष्ठ बने रहेंगे |
We will abide by basic moral code, refrain from wrong doing and will discharge our duties as citizens committed to the well-being of the society.

७. समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी को जीवन का एक अविच्छिन्न अंग मानेंगे |
We will earnestly and firmly imbibe in our lives the virtues of Wisdom, Honesty, responsibility and Courage.

८. चारों तरफ मधुरता, स्वच्छता, सादगी और सज्जनता का वातावरण उत्पन्न करेंगे |
We will constantly and sincerely endeavour to create an environment of loving kindness, cleanliness, simplicity and goodwill.

९. अनीति से प्राप्त सफलता की अपेक्षा नीति पर चलते हुए असफलता को शिरोधार्य करेंगे |
We will prefer failure while adhering to basic moral principles to so-called success obtained through unfair and foul means.

१०. मनुष्य के मूल्यांकन की कसौटी उसकी सफलताओं , योग्यताओं एवं विभूतियों को नहीं , उसके सद्-विचारों और सत्कर्मों को मानेंगे |
We will never evaluate a person's greatness by his worldly success, talents and riches but by his righteous conduct and thoughts.

११. दूसरों के साथ वह व्यवहार नही करेंगे, जो हमें अपने लिए पसंद नहीं |
We will never do unto others what we would not like to be done unto us.
१२. हम नर-नारी के प्रति पवित्र दृष्टि रखेंगे |
Members of opposite sexes while interacting with each other will have feelings of mutual warmth and understanding based on purity of thoughts and emotions.
१३. संसार में सद-वृतियों के पुण्य प्रसार के लिए अपने समय, प्रभाव, ज्ञान , पुरुषार्थ एवं धन का एक अंश नियमित रूप से लगाते रहेंगे |
We will regularly and religiously contribute a portion of our time, talents and resources for spreading nobility and righteousness in the world.
१४. परम्पराओं की तुलना में विवेक को महत्व देंगे |
We will give precedence to discriminating wisdom over blind traditions.
१५. सज्जनों को संगठित करने, अनीति से लोहा लेने और नव-सृजन की गतिविधियों में पूरी रूचि लेंगे |
We will actively involve ourselves in bringing together persons of goodwill in resisting evil and injustice and in promoting New Creation.
१६. राष्ट्रीय एकता एवं समता के प्रति निष्ठावान बने रहेंगे | जाति, लिंग, भाषा, प्रांत सम्प्रदाय आदि के कारण परस्पर कोई भेदभाव न बरतेंगे |
We will remain committed to the principles of national unity and equality of all human beings. In our conduct, we will not make any discrimination between person and person on the basis of caste, creed, colour, religion, region, language or sex.
१७. मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता आप है , इस विश्वास के आधार पर हमारी मान्यता है कि हम उत्कृष्ट बनेंगे और दूसरो को श्रेष्ठ बनायेंगे, तो युग अवश्य बदलेगा |
We firmly believe that each human being is the maker of his own destiny. With this conviction, we will uplift and transform ourselves and help others in doing so. We believe the world will then automatically change for the better.
१८. "हम बदलेंगे-युग बदलेगा""हम सुधरेंगे- युग सुधरेगा" इस तथ्य पर हमारा परिपूर्ण विश्वास है |
Our Motto is : "Ham Badalenge - Yug Badalegaa", "Ham Sudharenge - Yug Sudharegaa".When we transform ourselves, the world will be transformed.
When we reform ourselves, the world will be reformed.